वन उत्पादकता संस्थान
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्)
रांची–गुमला राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 23 लालगुटवा, रांची – 835303(झारखंड)

वन उत्पादकता संस्थान, राँची द्वारा "बांस उत्पादन, प्रबंधन एवं विपणन" पर पाँच दिवसीय (२३-२७ जनवरी २०१७) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

वन उत्पादकता संस्थान, राँची द्वारा "बांस उत्पादन, प्रबंधन एवं विपणन" पर पाँच दिवसीय (२३-२७ जनवरी २०१७) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण BTSG-Bamboo Technical Support Group (NABM) के अंतर्गत प्रायोजित हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के हज़ारीबाग़ जिला से करीब पच्चीस किसानों ने प्रशिक्षण लिया । प्रशिक्षण कार्यक्रम का उदघाटन संस्थान के निदेशक डॉ॰ एस॰ ए॰ अंसारी के कर-कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया । इस कार्यक्रम के उदघाटन के अवसर पर डॉ॰ अंसारी ने अपने उदबोधन में बांस का सतत प्रबंधन कर आजीविका के नये अवसर सृजन करने पर ज़ोर दिया । उन्होंने यह भी कहा कि बांस राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं और उनके हस्तशिल्प कार्यों में नवीनता लाने और बांस के सतत प्रबंधन पर प्रकाश डालते हुए बांस से आजीविका के नये अवसर सृजन करने पर ज़ोर दिया । प्रशिक्षण के दौरान संस्थान के निदेशक डॉ॰ एस॰ ए॰ अंसारी ने बाँस आनुवंशिकी संसाधनों के संरक्षण पर प्रकाश डाला ।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ॰ शरद तिवारी, वैज्ञानिक-एफ ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण के द्वारा कृषक बंधुओं को आजीविका बढ़ाने हेतु नये अवसर प्राप्त होंगे ।

कार्यक्रम के पाठ्यक्रम निदेशक डॉ॰ संजय सिंह, वैज्ञानिक-एफ ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान भारत में बाँस संसाधन : वितरण और महत्व बारीकियों पर प्रकाश डाला । संस्थान के वैज्ञानिक डॉ॰ अनिमेष सिन्हा ने कृषक बंधुओं को बाँस बखार के बेहतर चयन के बारे में बताया । वैज्ञानिक श्री संजीव कुमार ने पौध

उत्पादन और वृक्षारोपण पर प्रकाश डाला । वैज्ञानिक डॉ प्रद्योत कुमार दास ने बाँस के खेती के लिये मिटटी और पोषण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला । प्रशिक्षण के दौरान कृषक बंधुओं को बम्बूसेटम का भ्रमण भी कराया गया।

डॉ. भट्टाचार्य, अवकाश प्राप्त वैज्ञानिक ने बांस वृक्षारोपण और उत्पादों की कीट प्रबंधन पर कृषक बंधुओं को प्रशिक्षण दिया । संस्थान द्वारा बाँस हस्तशिल्प पर भी प्रशिक्षण दिया गया । श्री महावीर महतो, श्रीमती सविता देवी एवं जीतन देवी द्वारा कृषक बंधुओं को विभिन्न तरह के बांस हस्तशिल्प बना कर प्रदर्शित किया गया ।

प्रशिक्षण के अंतिम दिवस में प्रशिक्षण प्राप्त कृषक बंधुओं को प्रतिभागी प्रमाण पत्र का वितरण निदेशक डॉ॰ एस॰ ए॰ अंसारी एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ॰ शरद तिवारी द्वारा किया गया । मंच संचालन श्रीमती रूबी सुसाना कुजूर, वैज्ञानिक द्वारा किया गया । इस कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ॰ अनिमेष सिन्हा, डॉ॰ मालविका रे, श्री आदित्य कुमार, श्री दीपक कुमार दास और संस्थान के अधिकारियो एवं कर्मचारियों की मौजूदगी रही ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र

उद्घाटन के दौरान किसानों द्वारा दीप प्रज्वलन

प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कक्षा व्याख्यान

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र भ्रमण एवं व्याख्यान

प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह

प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरण

प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरण

प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरण

प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी